1

दृष्टि *The Vision*

Test-01

Mentorship Program

drishti

Drishti Mentorship Program Mains-2023

निबंध (ESSAY)

निर्धारित समय: 3 घंटे
Time allowed: 3 Hours

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

Name: Neeraj Dhakad **Mobile Number:**

Medium (English/Hindi): Hindi **Email:**

Center & Date: Mukherjee nagar 24/06/2023 **UPSC Roll No.:** 6316307

प्रश्नपत्र संबंधी विशेष अनुदेश

(प्रश्नों के उत्तर देने से पहले निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को कृपया ध्यानपूर्वक पढ़ें)

प्रवेश-पत्र में प्राधिकृत माध्यम में निबंध लिखना आवश्यक है तथा इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख उत्तर पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर करना आवश्यक है। प्राधिकृत माध्यम के अलावा अन्य माध्यम में लिखे गए उत्तरों को अंक नहीं दिये जाएंगे।

प्रश्नों के उत्तर निर्दिष्ट शब्द-संख्या के अनुसार होने चाहिये।

उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए किसी पृष्ठ अथवा पृष्ठ के भाग को पूर्णतः काट दीजिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

(Please read each of the following instructions carefully before attempting questions)

The ESSAY must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Answer Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other than the authorized one.

Word limit, as specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Answer Booklet must be clearly struck off.

	निबंध विषय संख्या (Essay Topic No.)	अंक (Marks)
खंड-A Section-A		
खंड-B Section-B		
सकल योग (Grand Total)		

मूल्यांकनकर्ता (हस्ताक्षर)
Evaluator (Signature)

पुनरीक्षणकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Reviewer (Signature)

drishti | दृष्टि The Vision

Feedback

1. Context Proficiency (संदर्भ दक्षता)
2. Introduction Proficiency (परिचय दक्षता)
3. Content Proficiency (विषय-वस्तु दक्षता)
4. Language/Flow (भाषा/प्रवाह)
5. Conclusion Proficiency (निष्कर्ष दक्षता)
6. Presentation Proficiency (प्रस्तुति दक्षता)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

खण्ड-A

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

खेल चरित्र का निर्माण नहीं करते हैं, वे इसे प्रकट करते हैं"

खेल का संबंध प्राचीन से रहा है और यह निरंतर रूप में प्रगति की ओर उन्मुख रहा है, वस्तुतः प्राचीन समय में कौड़ियों का खेल, पशु पक्षी की लड़ाई मनोरंजन के साधन हुआ करते थे तो वहीं समय के साथ इसमें पांसा, घुड़दौड़, हॉकी, क्रिकेट बैडमिंटन, कुश्ती आदि खेलों का प्रचलन बढ़ता गया।

इसी क्रम में यदि देखा जावे तो खेल और चरित्र का संबंध भिन्न-भिन्न दिखाई देता है उदाहरण स्वरूप यदि देखा जावे तो कुश्ती में एक पहलवान आक्रामक रूप में दांव पेन्च का प्रयोग करता है तो वहीं दूसरा पहलवान धैर्य एवं शालीनता से खेलता है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

चरित्र के निर्माण में खेल की भूमिका

पक्ष वस्तुतः चरित्र का निर्माण सामान्य तौर पर जन्मजात होता है और इसे कुछ ही रूपों अर्जित किया जाता है साथ ही यह स्थायी प्रवृत्ति का होता है। लेकिन चरित्र निर्माण में ~~[illegible]~~ पर्यावरण और आपकी जीवन शैली का फर्क पड़ता है जहाँ आप यदि खेल प्रतिस्पर्धा में बचपन से सहभागिता करते आ रहे हैं तो हो सकता है आपके जीवन में शारीरिक गतिविधियाँ आपके चरित्र का हिस्सा हो सकती हैं।

विपक्ष

चरित्र आमतौर पर स्थायी होते हैं इसलिये खेल से इनमें परिवर्तन की संभावनायें कम हो जाती हैं बल्कि आपका चरित्र आपके खेल के दौरान फील्ड पर दिखाई देता है

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

इसलिये खेल चरित्र निर्माण से ज्यादा इसे प्रकट करने का माध्यम बन जाता है।

(चरित्र प्रकट में खेल की भूमिका)

उदाहरण के तौर पर यदि देखा जाये तो भारतीय क्रिकेटर सचिन तेंडुलकर अपनी खेल भावना के लिये जाने जाते हैं वस्तुतः सचिन तेंदुलकर खेल के दौरान यदि उन्हें लगता है कि वे आउट हैं तो वे अंपायर के निर्णय की प्रतीक्षा न करते हुये स्वयं पवेलियन की तरफ जाने लगते थे. अतः यहाँ उनका चरित्र एवं उनकी सत्यनिष्ठा, ईमानदारी जैसे मूल्य खेल के माध्यम से प्रकट होते हैं।

तो वहीं खेल मानसिक तौर पर व्यक्ति को मजबूत बनाता है और मेहनती, सहभागिता जैसे मूल्यों को

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

प्रकट करने में भूमिका निभाता है
वस्तुतः क्रिकेट, फुटबाल जैसे खेलों में सहभागिता एवं समत्व के मूल्यों को देखा जा सकता है जिसमें प्रत्येक खिलाड़ी के स्वभाव के पहलू उजागर होते हैं।

फुटबॉल में लियोनल मेसी का स्वभाव सहजता एवं शालीनता युक्त दिखाई देता है जो अपने गोल के बाद प्रदर्शन में नरमी रखते हैं और कुछ अन्य खिलाड़ियों को देखा जाये तो वे छोटी सी उपलब्धि पर आक्रामक प्रदर्शन करते हैं और विपक्षी टीम को निम्न दिखाने का प्रयास करते हैं।

साथ ही क्रिकेट में एक बॉलर द्वारा विकेट लेने के बाद आक्रामक प्रदर्शन और दूसरे बॉलर द्वारा विकेट लेने के बाद प्रदर्शन

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

में अंतर दिखाई देता है दरअसल यह अंतर स्वभाव एवं मूल्यों का होता है, जहाँ एक आक्रामक एवं हावी होने वाला जैसा रूप हो तो वहीं दूसरे में सहजता, धैर्य, नरम लहजे वाला गुण विद्यमान हो। अर्थात् खेल विभिन्न चरित्रों को प्रकट करने वाला माध्यम बन जाता है।

"फुटबॉल खेलने पर तुम स्वर्ग के नजदीक होगे गीता पढ़ने से नहीं"
– स्वामी विवेकानंद

स्वामी विवेकानंद का यह कथन खेल की महत्वता को दर्शाता है जिसमें शारीरिक, मानसिक स्वास्थ्य की प्रवृत्ति पर बल दिया गया तो साथ ही एक अच्छा स्वस्थ व्यक्ति की मानसिक अवस्थिति भी स्वस्थ होती है जो आध्यात्म के स्तर को प्राप्त करने में सहायक होती है इस रूप में खेल आध्यात्म के विकास पर भी बल देता

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

जहाँ व्यक्ति खेल के प्रति सकारात्मक सोच रखता है और खेल प्रतिस्पर्द्धा में भाग लेता है वह एक स्वस्थ प्रवृत्ति को बढ़ावा देता है एवं समाज का विकास साथ मानव के विकास में भूमिका निभाता है।

"आपका खेल ही आपकी पहचान है"

वस्तुत: यह कथन यह प्रस्तुत करता है कि यदि आप प्रतिस्पर्द्धा जैसा व्यवहार करते हैं वैसी ही आपकी पहचान निर्मित हो जाती है यदि आप शाँतिप्रिय व्यवहार का प्रदर्शन करते हैं तो आपकी समाज में भी शाँतिप्रिय की पहचान निर्मित होगी। उदाहरण के रूप भारतीय क्रिकेट के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी की छवि कुछ ऐसी ही जहाँ उन्हें 'कैप्टन कूल' की संज्ञा दी जाती है, दरअसल

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उनका व्यवहार खेल के प्रति एवं टीम मेम्बरों एवं प्रतिस्पर्द्धी टीम के प्रति शाँतिप्रिय एवं सम्मान प्रिय रहा है इसलिये ही उन्हें 'कैप्टन कूल' कहा जाता है।

तो वहीं दूसरी ओर भारतीय क्रिकेटर विराट कोहली का खेल प्रतिस्पर्द्धा में एक आक्रामक रवैया देखने को मिलता है साथ ही इस रवैया के साथ उनकी खेल भावना के प्रति एक सकारात्मक दृष्टिकोण देखने को मिलता है।

तो वहीं हॉकी प्लेयर मेजर ध्यानचंद्र का नाम खेल भावना के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण के लिये जाता है एवं खेल के प्रति उनकी रूचि एवं मेहनत के गुणों को देखा जा सकता है. साथ ही रेसलिंग में वर्तमान चैम्पियन पुनिया जो अपने प्रतिस्पर्द्धी का हाथ जोड़कर सम्मान करते हैं. अर्थात् इन सभी से यह उद्घाटित होता है खेल में आपका चरित्र स्वभाविक रूप से प्रकट होता है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

"जितने खेल के नियम जान लिये, समझो वह जीत गया"

वस्तुतः यह कहा जाता है कि खेल शुरू होने से पहले आरंभ हो जाता है और वास्तविक खेल आरंभ होने से पहले उसके नियम एवं रणनीति के बारे व्यक्ति को तैयारी कर लेनी चाहिये, इसलिये खेल जीतने के लिये उसके नियमों को बारीकी से समझ लेना चाहिये, अतः यदि किसी के चरित्र में पहले से रणनीतिक तैयारी जैसे गुण मौजूद हों तो प्रतिस्पर्धा में उसकी तैयारी झलकती है अतः यहाँ भी चरित्र जैसे गुणों को प्रकट होते देखा जा सकता है,

उदाहरणस्वरूप क्रिकेट के दौरान कॉमेंटेटर द्वारा विकेट या कोई शॉट लगने के बाद तारीफ

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

के रूप में कहना कि 'x' खिलाड़ी पहले से तैयार थे और उन्होंने उसी बॉल को हिट किया और छक्का मारा, तो वहीं किसी खास प्लेयर के खिलाफ किसी बॉलर को बॉलिंग के लिये लाया जाना कप्तान की रणनीति को प्रकट करता है।

वहीं बैडमिंटन के दौरान किसी खास शॉट के प्रति पहले से तैयार रहना और खेल को जीत लेना. व्यक्ति के चरित्र में रणनीति एवं प्लानिंग के गुण को उद्घाटित करता है।

खेल किस रूप में चरित्र को प्रकट करता है

आमतौर खिलाड़ी का व्यवहार ही देखा जाता है और व्यवहार के मूल्यांकन या ही उसके चरित्र के बारे में बताया जा सकता है वहीं सकारात्मक एवं नकारात्मक रूप में भी देखा जाता है

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

साथ खेल भावना के प्रति किया कार्य जैसे आस्ट्रेलिया के खिलाड़ियों ने बॉल से छेड़छाड़ की, साथ ही फुटबॉल में जान बूझ कर शारीरिक हानि पहुँचाना जैसे कार्य व्यक्ति के चरित्र को नकारात्मक रूप से प्रकट करते हैं।

वहीं सकारात्मक रूप से सहभागिता, समन्वय, सम्मान, खेल भावना, स्वीकार्यता जैसे मूल्य आपके चरित्र को सकारात्मक रूप से उद्घाटित करते हैं।

अर्थात खेल व्यक्ति के व्यक्तित्व के विकास को बढ़ावा देता है तो वहीं व्यक्ति को दायित्वशील एवं ~~[struck out]~~ सहभागिता, ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा जैसे मूल्यों से परिचित कराता है और ये मूल्य

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

इसके व्यवहार का हिस्सा बन जाते हैं अतः यह कहना कि खेल चरित्र का निर्माण नहीं करते पूर्णतः सत्य प्रतीत नहीं होता है, क्योंकि विभिन्न अर्थों में खेल व्यक्ति के व्यवहार को प्रभावित करते हैं और लगातार वे मूल्य उसके व्यवहार में रहने लगते हैं फलस्वरूप वे व्यक्ति के स्थायी अर्थात् चरित्र का हिस्सा बन जाते हैं।

निष्कर्ष

खेल की महत्वता विभिन्न अर्थों में दिखाई देती है जैसे सामाजिक, व्यक्तिगत, सांस्कृतिक आदि और इनको बढ़ावा देने से स्वस्थ्य व्यक्ति का विकास होता है और एक स्वास्थ्य व्यक्ति एक स्वस्थ्य समाज एवं स्वस्थ्य देश का निर्माण करते हैं तो साथ स्वस्थ्य व्यक्ति देश की आर्थिक-राजनीतिक, सामाजिक-सांस्कृतिक एवं दार्शनिक

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

क्षेत्रों में भूमिका निभाते हैं।

खेल में जीत-हार होती रहती है फलत: व्यक्ति अनुभवों से सीखता जाता है और विभिन्न क्षेत्रों में अपनी भूमिका का योगदान देता है तो वहीं सामाजिक रूप में एक बेहतर समाज का निर्माण करता है अत: व्यक्ति अपने चरित्र एवं स्वभाव अपने पर्यावरण से सीखता और उससे व्यक्तित्व निर्माण को बल मिलता है फलत: व्यक्ति की स्वस्थ प्रवृत्ति खेल प्रतिस्पर्धा में प्रकट होती है जो उसके चरित्र का हिस्सा होती है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

खण्ड-B

किसी राष्ट्र के भूगोल को जानना उसकी विदेश नीति को जानना है।

"भौतिक स्थितियों की टकराहट से ही समाज का विकास होता है"

— कार्ल मार्क्स

उपरोक्त कथन कार्ल मार्क्स ने दिया जिसमें वह हीगेल (जर्मन दार्शनिक) के विचारों से प्रभावित था वस्तुतः हीगेल ने विचारों की टकराहट से समाज के विकास पर बल दिया, तो वहीं मार्क्स ने भौतिक स्थितियों को केन्द्र में रखा।

वस्तुतः कार्ल मार्क्स का कहना था कि अर्थव्यवस्था अपना रास्ता स्वयं ढूंढ लेती है लेकिन समाज के विकास में एवं राजनीति के क्षेत्र में व्यक्ति की भूमिका बढ़ जाती है इसी क्रम में उन्होंने भूगोल अर्थात्

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

राष्ट्र की अवस्थिति पर बल दिया समाज के विकास की बात की।

राष्ट्र के भूगोल की विशेषताएं

- राष्ट्र के भूगोल में उसकी अवस्थिति अर्थात विषुवत रेखा से कितनी दूरी पर है, समुद्र तट मौजूद है या लैंडलॉक है क्षेत्र के ज्ञात या कृषि क्षेत्र कितना है तो वहीं सिंचित एवं पानी की मौजूदगी जैसे कारक विद्यमान होते हैं

  दूसरी ओर यदि कृषि क्षेत्र होगा तो वहां उत्पादन कितना है उत्पादन अधिशेष है तो वहां व्यापार पर बल मिलेगा तो वहीं बाह्य व्यापार मौजूद है तो सामान्यतः व्यापारिक माहौल फैला है

- नदियां, तापमान, बारिश जैसी विशेषताएं पर्वत, पहाड़, जंगल की मौजूदगी भौगोलिक

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

अवस्थिति को उद्घाटित करती है।

भूगोल से विदेश नीति का संबंध

वस्तुतः भूगोल में यदि सीमा विवाद मौजूद है जहां सीमाएं स्पष्ट नहीं है वहां सामान्यतः पड़ोसी देशों से मित्रता का संबंध कमजोर स्थिति में होगा जैसे भारत - पाकिस्तान, उत्तर कोरिया - साउथ कोरिया, रूस - जापान आदि।

यदि राष्ट्र के पास समुद्र तट है तो उसका व्यापार अन्य देशों से होगा फलतः हो सकता है कि वह व्यापार पर बल दे और विभिन्न राष्ट्रों के बाजार एवं स्रोत की तलाश में भिन्न-भिन्न देशों से संबंधों को मधुर बना ले और मुक्त व्यापार पर बल दे। एवं पूंजीवाद को बढ़ावा

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

है उदाहरणस्वरूप में अमेरिका, इंग्लैण्ड पाश्चिमी यूरोप व्यापार पर बल देता है तो वहीं चाइना की भौगोलिक अवस्थिति भी इसको व्यापार पर बल देने के बढ़ावा देती है, वहीं भारत तीन ओर से समुद्र से घिरा है फलतः भारत का आर्थिक महत्व प्राचीन भारत से वर्तमान तक रहा है जैसे प्राचीन भारत में बंदरगाह मुजरिश, तोण्डी, पुहार ~~अ~~ ताम्रलिप्ति आदि। तो वहीं वर्तमान में मुम्बई, विशाखापत्तनम, कांडला जैसे बंदरगाह भारत के आर्थिक महत्व को उद्घाटित करते हैं फलतः कांडला एवं चाबहार जैसे बंदरगाह की मौजूदगी पाश्चिमी देशों के साथ संबंधों को मजबूत प्रदान करती है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

तो वहीं यदि राष्ट्र की भौगोलिक अवस्थिति में कृषि क्षेत्र है तो वहां जनसंख्या में वृद्धि देखी जायेगी फलतः अधिक जनसंख्या एक बाजार के रूप में उपस्थित होती है वर्तमान में भारत को इस संदर्भ में समझा जा सकता है जैसे अमेरिका का भारत की तरफ झुकाव तो वहीं चाइना का भारत के बाजार की तरफ रुख जहां वह 3% व्यापार भारत से करता है अतः इन बाजार के कारण अनेक देशों से संबंधो को मजबूती मिली है।

तो साथ ही अमेरिका ~~जैसे~~ देश का भारत के साथ जुड़ाव भारत को अंतर्राष्ट्रीय मंचो पर उभर होने में मदद करता है और पड़ोसी देश जिनके साथ सीमा विवाद है उनको कटघरे में खड़ा करता है और उन पर दबाव बनाता है। साथ ही उन पर विभिन्न तरह

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

के प्रतिबंध आरोपित कर सकता है जैसे भारत द्वारा पाकिस्तान द्वारा पोषित आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति एवं विभिन्न मंचों पर उसके खिलाफ आवाज उठाना।

यदि हम किसी लैण्डलॉक राष्ट्र को देखे तो उनकी निर्भरता किसी-न-किसी देश पर होती है जैसे नेपाल की भौगोलिक अवस्थिति ऐसी है कि उसे न चाहते हुये भी भारत के साथ संबंधो को बेहतर बनाये रखना होगा क्योंकि नेपाल का 70% व्यापार भारत से होता है। एवं उसके हाइड्रो प्रोजेक्ट हित भारत से जुड़े हुये हैं. अर्थात् लैण्ड लॉक राष्ट्र अपने व्यापार के लिये किसी अन्य पर निर्भर रहने के चलते वे ऐसी विदेश नीति का निर्माण नहीं कर सकते हैं जिसमें निर्भर अर्थात् जिस राष्ट्र पर निर्भर हैं के खिलाफ कोई कदम हो।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

इसी क्रम में पहाड़ी राष्ट्रों में आक्रामक पर लड़ाके ज्यादा मिलते हैं क्योंकि उनके संघर्ष करने की क्षमता अधिक होती है और इनमें सैनिक क्षमता जैसे गुण विद्यमान होते हैं फलत: सैन्य शक्ति से वे उच्च होते हैं लेकिन हो सकता है वहां राजनीतिक अस्थिरता विद्यमान हो इसे अफगानिस्तान के संदर्भ में समझे जाने की जरूरत है दरअसल अफगानिस्तान में विभिन्न देशों के हित रहे हैं क्योंकि अफगानिस्तान खनिज के मामलों में संपन्न है लेकिन विदेशी शासन के खिलाफ अफगानियों ने लगातार संघर्ष किया है फलत: स्थायित्व देखने को नहीं मिली और विदेश नीति सत्ता में आने के क्रम में बदलती रही।

इसी क्रम में राष्ट्र की भौगोलिक स्थिति ऐसी जहां आसपास के राष्ट्र भिन्न धार्मिक एवं भाषा से संबंधित हो तो वह राष्ट्र सैन्य

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

शक्ति में शामिल करेगा और सुरक्षा के मानदंड निर्धारित करेगा और उसकी विदेश नीति हर हाल में पड़ोसी राष्ट्रों से सुरक्षा के क्रम में होगी।

वहीं किसी राष्ट्र की भौगोलिक अवस्थिति ऐसी है जहाँ पड़ोसी राष्ट्रों से उसकी भिन्न-भिन्न क्षेत्रों में भिन्न-भिन्न दृष्टिकोण हैं साथ ही व्यापारिक, सैनिक, सांस्कृतिक संबंधों के निर्धारण में भौगोलिक अवस्थिति को जिम्मेदार माना जाता है तो वहीं किसी राष्ट्र में विवाद होने के चलते समान विचारधारा वालें राष्ट्रों के साथ सहभागिता रखने पर बल देता है और सामरिक संबंधों को बढ़ाने पर बल दिया जाता है

तो वहीं किसी राष्ट्र में प्राकृतिक रूप से वन एवं वन्य जीव मौजूद हैं तो वह पर्यटन

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

अर्थात् पर्यावरणीय पर्यटन के रूप में आकर्षण का केन्द्र हो सकता है और उसकी विदेश नीति में पर्यावरण पर्यटन आकर्षण की नीतियाँ विद्यमान हो सकती हैं।

साथ ही सांस्कृतिक स्मारक एवं प्राचीन स्मारक विद्यमान हो तो वह सांस्कृतिक पर्यटन का केन्द्र बन सकता है और उसकी नीतियों में सांस्कृतिक पर्यटन को बढ़ावा देने की नीतियाँ शामिल होंगी।

तो वहीं कई राष्ट्र में पर्वत श्रृंखला मौजूद होती है जो सुरक्षा की दीवार का कार्य करती है जैसे हिमालय पर्वत श्रृंखला भारत के सुरक्षा के लिये जानी जाती है और उसकी विदेश नीति में हिमालयी राष्ट्रों को सहयोग एवं समन्वय बढ़ाने की बात शामिल होती है साथ ही ईरान जैसे राष्ट्रों की सैन्य

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

सुरक्षा की जिम्मेदारी भी भारत द्वारा पूर्ण की जाती है. जैसे नाथूला दर्रे पर भारत और चीन का टकराव।

वहीं यदि रूस के 'जनरल विंटर' की बात करें तो आधुनिक भारत में इस माध्यम से उसने नेपोलियन को वापस लौटने पर विवश किया. अतः रूस की कठोर मानवीय दशायें उनकी विदेश नीति का हिस्सा रहीं, दरअसल सर्दियों में रूस में अत्यधिक कठोर स्थिति होती है जिसे 'जनरल विंटर' कहा जाता है और उस स्थिति में युद्ध करना एवं लंबे समय तक बने रहना प्रतिस्पर्धी को कमजोर कर देता है।

तो वहीं इंग्लैंड की भौगोलिक अवस्थिति ने ही उसे यूरोप की राजनीति से दूर रखा और अनावश्यक

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

मुद्दों से बचा रहा. और अपना ध्यान अपने विकास में रखता रहा. फलतः औद्योगिक क्रांति को संभव बनाया और आधुनिक औद्योगीकरण संभव हुआ

"जहां लोहा और कोयला मौजूद हों एवं यातायात के साधनों का मशीनीकरण हो जाये. उन राष्ट्र को आधुनिक औद्योगीकरण होने से कोई नहीं रोक सकता"

— कार्ल मार्क्स

कार्ल मार्क्स का यह कथन आधुनिक औद्योगिक के संदर्भ को उद्घाटित करता है वस्तुतः कोयला एवं लोहा राष्ट्र की भौगोलिक अवस्थिति पर निर्धारित करता है और इसी से लौह उद्योग एवं मशीनीकरण को बढ़ावा मिलता है फलतः कारखाना प्रणाली का विकास एवं औद्योगिक क्रांति संभव होती है फलतः कच्चे माल एवं निर्मित वस्तुओं के बाजार के लिये विदेश नीति

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

ऐसे राष्ट्रों से संबंधो पर बल देता है जैसे इंग्लैण्ड - अमेरिका संबंध, इंग्लैण्ड - भारत के संबंध इसी संदर्भ में समझे जाने की जरूरत है।

वहीं भारत का बांग्लादेश एवं दक्षिण पूर्व एशिया के राष्ट्रों से संबंध उत्तर- पूर्व के राष्ट्रों पर प्रभावी नियंत्रण बनाने की दशा में रहा है 'एक्ट ईस्ट पॉलिसी' का उद्देश्य भी भारत का अपने राज्यों के विकास पर बल 'कालादान मल्टी मॉडल ट्रांजिट ट्रांसपोर्ट' प्रोजेक्ट में बांग्लादेश, भारत, म्यांमार जैसे देशों के संबंधो को सुदृढ़ करने पर बल. फलतः इस विदेश नीति के माध्यम से भारत अपने उत्तर-पूर्वी राज्यों पर अपेक्षित ध्यान दे सकेगा।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

निष्कर्ष

वर्तमान परिदृश्य में विश्व बहुध्रुवीय होता जा रहा है और वैश्वीकरण बढ़ता जा रहा है जिसका प्रभाव संपूर्ण विश्व पर हो रहा है, फलतः इन अर्थों में राष्ट्रहितों के आधारों पर विदेश नीति तय की जा रही है जिसमें भौगोलिक अवस्थिति भी एक आधार है, अतः राष्ट्र विदेश नीति के माध्यम से अपने लोगों के हितों पर बल दे रहे हैं, जिससे विभिन्न देशों के रिश्तों को देखा जा सकता है जैसे इजराइल का अरब देशों के साथ सुदृढ़ होता संबंध, तो कुछ तनाव के बिंदु भी हैं अमेरिका-चीन संबंध, दक्षिण चीन सागर। लेकिन बहुध्रुवीय विश्व में इन मुद्दों के प्रभाव को कम किया जा सकता है और विश्व को सतत विकास के लक्ष्यों पर अग्रसर किया जा सकता है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation